10वीं पास विद्यार्थी 18 मई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

आइआइएम रांची के यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम से बदलेगी गांवों की तस्वीर

संवाददाता, रांची

आइआइएम रांची ग्रामीण विकास की दिशा में लगातार पहल कर रहा है. सूचना भवन स्थित सिटी कैंपस में शनिवार को निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने 'यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम (वाइसीपी)' लांच किया. उन्होंने बताया कि देशभर के 20 आइआइएम में आइआइएम रांची पहली संस्था है, जहां वाइसीपी की शुरुआत की गयी है. यह कोर्स संस्था के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम) कोर्स का हिस्सा बनेगा, जहां विद्यार्थी सोशल इंपैक्ट इंटर्नशिप प्रोजेक्ट पूरा कर सकेंगे. वाइसीपी से जुड़ कर 10वीं सफल विद्यार्थी गांव की परिस्थितियों को प्रबंधकीय कौशल से बदलना सीखेंगे. कार्यक्रम का संचालन संस्था समेत उन्नत भारत के तहत गोद लिये गये गांव रासेबेड़ा व अनगढ़ा में किया जायेगा. इसके तहत स्कूली विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम 26 से 28 मई तक संचालित होंगे.

यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम की लॉचिंग पर उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी.

वाइसीपी से जुड़ने के इच्छुक विद्यार्थी आइआइएम रांची की वेबसाइट से 18 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. इस कार्यक्रम में उन विद्यार्थियों को शामिल किया जायेगा, जो नये नजरिये के साथ गांव की वर्तमान परिस्थिति में बदलाव करना चाहते हैं. वाइसीपी में चिह्नित होनेवाले विद्यार्थियों का मार्गदर्शन संस्था के प्रो गौरव मराठे और प्रो रंजीत करेंगे. प्रो गौरव ने बताया कि वाइसीपी से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए स्थानीय स्कूल से संपर्क किया जा रहा है. इस कार्यक्रम से 2000 से अधिक विद्यार्थी जुड़ सकेंगे. चयनित विद्यार्थियों को अलग-अलग टीम में बांटा जायेगा.

वर्ष 2030 तक गांव में बदलाव का लक्ष्य

प्रो दीपक ने बताया कि आइआइएम रांची ने 2030 तक वैश्विक प्रभाव के साथ स्थानीय परिवेश परिवर्तन का लक्ष्य तय किया है. प्रोग्राम के जरिये तीन दिनों तक विद्यार्थी गांव की पारिस्थितिकी को समझेंगे. साथ ही जरूरी बदलाव की रूपरेखा तय करेंगे. तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों को संस्था में गांव के परिवेश से परिचय कराया जायेगा. दूसरे दिन ग्रामीणों के साथ भ्रमण कर बदलाव की संभावनाओं को तय किया जायेगा. वहीं, तीसरे दिन विद्यार्थी हासिल हुए केस स्टडी से सामाजिक बदलाव की संभावनाओं पर प्रोजेक्ट बनायेंगे, जिसे भविष्य में धरातल पर उतारा जायेगा.

Prabhat Khabar_14.05.2023_Pg. 03